

प्रकाशन संस्था

एसी फूलजा व संस्कृत विद्यार्थी।

प्रायः तत्त्वं विद्यन्ते इव चौर्बी देवतान् गुरुम् रेषां लक्ष्यं एव

मैत्रालय, भिवानी कला विद्यालय, प्राक्षेपिता: ८ अगस्त, २०१५

四

- 1) शासन विधेय, पा. पु. स. अ. वि., झ. परम्परा १९७५/प्रक. रा.०/प्रयु. ३८, दि. ३ दिसेंबर, १९७५.
 - 2) शासन विधेय, झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(१)/प्रयु. ८८, दिनांक :- १ दिसेंबर, २००६
 - 3) शासन विधेय, झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(२)/प्रयु. ८८, दिनांक :- १ दिसेंबर, २००६
 - 4) शासन विधेय झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(३)/प्रयु. ८८, दिनांक :- १ दिसेंबर, २००६
 - 5) शासन विधेय झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(४)/प्रयु. ८८, दिनांक :- १ दिसेंबर, २००६
 - 6) शासन विधेय झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(५)/प्रयु. ८८, दिनांक - १५ मे डिसेंबर
 - 7) शासन विधेय झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(६)/प्रयु. ८८, दिनांक - १५ जून डिसेंबर
 - 8) शासन विधेय झ. चौधुरी २००६/प. क. रत(७)/प्रयु. ८८, दिनांक :- ५ जून २००६

150

शास्त्रीय विचार ३

मध्यारात्रि शीतल प्रदूषितप्रदाम दृढ़तरे कान्फोडील दि. १५/८/२००३ सा देव हुएले महार ए ज्वलनाम प्राप्ती दीमध्ये अनुकूली ह. २६,४८,५३,५००/- ए क. ११२३८,८८७/- ए लालिका-८ वरील दि. १५/८/२००३ दीमध्ये हुएले दि. ३,५,३,५०,२५०/- अनुकूलील दृढ़तरे कान्फोडीलप्रदाम दृढ़तर दि. ३५,५३,५८,५००/- (इसीले उक्तांगांवालील कोटी देव लाल इयांची हुतात दीवांगी (एकाहुतात फैक्स) दृढ़तरे अनुदाम अद्वाय संप्रिव, सप्तराष्ट्र शीवन प्राचिकरण यांना गांगानीम अटीतीर रोख प्रकृत वरचयात येण आहे.

प्राचीन राजस्व विधि अधिकारी का नाम-

三

क्षेत्रीय सम अधिकारी, प्राचाराचु शहरम.

四

१. यहां प्रियांका, यहांगढ़ -१ (लेखा के अनुसार) मूर्ति
 २. माझे लगाएंगे, यहांगढ़ -२ (लेखा के अनुसार) नामगृह
 ३. यहां प्रियांका, यहांगढ़ -१ (लेखा की रिकॉर्ड) मूर्ति
 ४. माझे लगाएंगे, यहांगढ़ -२ (लेखा की रिकॉर्ड) नामगृह
 ५. शहर सचिव, प्राचीन प्राचीनतम्, मूर्ति +२।
 ६. विभीषण गवाहार व मृग्यावधारिकारी, यहांगढ़ जीवन प्राचीनतम्, विभीषण विद्यार्थी, नवी मुर्ति
 ७. अप्सराव व लोकांशिकारी, मूर्ति
 ८. विष्णु लेडा अभिकर्ता, मूर्ति
 ९. विष्णु विभाग्यु उद्धमस्तकम् -१५/व्याप-१/उद्धमस्तकम् -१
 १०. महां शंख, पाणी पुराणा व स्वरूपना विभाग, मंजलय, मूर्ति इलाजी
 ११. अर्जुनन यथा २०, पाणी पुराणा व स्वरूपना विभाग, मंजलय, मूर्ति इलाजी
 १२. विभुग्नानी -पाणी ०८, पाणी पुराणा व स्वरूपना विभाग.
 १३. ग्रामीण वक्ता, पाणी पुराणा व स्वरूपना विभाग, मंजलय, मूर्ति इलाजी